एन आई आर डी एक परिचय

प्रस्तावना

सततता, लोक केन्द्रित एवं लोग प्रबंधित विकास आदि ग्रामीण विकास के नई दृष्टिकोण का केन्द्र बने है । अत: वर्तमान विकास प्रयास का मुख्य लक्ष्य , संस्थागत क्षमताएँ एवं मानव संसाधनो के निर्माण के हित में संचालित है ग्रामीण विकास कार्यक्रमो में ग्रामीण लोगो की प्रतिभागिता एवं ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओ, संस्थाओ की विशेषज्ञता के अतिरिक्त वितरण प्रणालियॉ अब विकास के लिए अनिवार्य अंग बन गई है । ऐसे में एक वर्षीय `**ग्रामीण विकास प्रबंध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम ( पी जी डी आर डी एम )**` पाठ्यक्रम ग्रामीण विकास के प्रतिबद्ध वर्गों के विशेषज्ञों के लिए एक आवश्यकता के रुप में उभरी है ।

एन आई आर डी एक परिचय

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान (रा ग्रा वि सं) जो स्वर्ण जयंती महोत्सव को मनाने के लिए उत्सुक है, ग्रामीण विकास मंत्रालय के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान, कार्य अनुसंधान और परामर्शी सेवाओ को प्रदान करता है । संस्थान आन्ध्र प्रदेश के ऐतिहासिक शहर हैदराबाद से 15 कि मी की दूरी पर ग्रामीण परिवेश से घिरे राजेन्दनगर में स्थित है ।

एन आई आर डी के अधिदेश मे उल्लिखित है : मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के विकास कार्यकर्ताओ के लिए प्रशिक्षण प्रदान और आयोजन करना स्वयं या राज्य , केन्द और अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सियो के सहयोग मे अनुसंधान को प्रारंभ, सहायता, बढावा और समन्वयन करना , ग्रामीण विकास, विकेन्दीत शासन पंचायती राज और संबद्ध कार्यकमो की योजना ओर कार्यानवयन मे आने वाली समस्याओ से निपटने हेतु समाधान का विश्लेषण, एवम् सूचना का प्रचार-प्रसार तथा संस्थान के मूल उद्देश्यो को पत्र पत्रिकाएँ , रिपोर्ट, पुस्तके और अन्य प्रकाशनो द्वारा व्यापक पैमाने पर तकनॉलोजी का अन्तरण करना ।

संस्थान की सेवाएँ केन्द तथा राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयो, बैकिग संस्थएँ, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनो, शिष्ट समाज, पंचायती राज संस्थाएँ, और ग्रामीण विकास से जुडे अन्य राष्ट्रीय एवं अतर्राष्ट्रीय एजेन्सियो को उपलब्ध है ।

प्रादेशिक केन्द्र

वर्ष 1983 में गुवाहाटी मे रा ग्रा वि संस्थान के प्रादेशिक केन्द्र की स्थापना की गई । यह केन्द्र असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैड, त्रिपुरा और सिक्कीम के उत्तर पूवी क्षेत्र से संबंधित ग्रामीण विकास नीति और योजना पर प्रशिक्षण पाठ्यकम, सेमिनार, कार्यशलाएॅ और समस्या उन्मुख अनुसंधान अध्ययनों का आयोजन करता है ।

संरचना और संगठन

रा ग्रा वि संस्थान की नीति का निर्धारण 47 सदस्य वाले महापरिषद द्वारा होता है । केन्दीय ग्रामीण विकास मंत्री महापरिषद के अध्यक्ष होते है । संस्थान का प्रबंध और प्रशासन 14 सदस्य वाली कार्यकारी परिषद के अधीन है जिसके अध्यक्ष माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री जी, है । इस कार्य में उप महानिदेशक, वित्तीय सलाहकार, रजिस्ट्रार एवं निदेशक (प्रशासन) तथा बहुआयामी संकाय सदस्य उनकी सहायता करते है । महानिदेशक की अध्यक्षता मे शेक्षिक समिति और अनुसंधान सलाहकार समिति, प्रशिक्षण अनुसंधान एवं परामर्शी कार्यकमो की योजना की रुपरेखा तैयार करती है ।

संकाय

ज्ञानरा ग्रा वि सं में सुविज्ञता प्राप्त संकाय सदस्य है जो निपुण प्रशिक्षण, अनुसंधान कर्ता और परामर्शदाता है जिनके पास संबंधित विषय क्षेत्र का काफी लंबा अनुभव है । 90 बहु आयामी संकायो पर 18 विषयक केन्द्रो की जिम्मेदारी सौपी गई है जिसका विवरण अनुबंध में दिया गया है । प्रत्येक संकाय सदस्यो की शैक्षिक अर्हता एवं अनुभव के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाईट : www.nird.org.in पर लॉग आन करे ।

प्रशिक्षण

रा ग्रा वि सं में ग्रामीण विकास कार्यकमो के नीति प्रतिपादन, प्रबंध एवं कार्यान्वयन में लगे मध्य एवं वरिष्ठ विकास कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षण देने के लिए व्यापक पैमाने पर सुविज्ञता और उत्कृष्ट आधारभूत संरचना उपलब्ध है । प्रशिक्षण प्रयासो का मुख्य उदेश्य ज्ञान आधार सृजित करना , कौशल का विकास करना तथा ग्रामीण रुपांतरण के विभिन्न आयामो को समझाना है । संस्थान प्रतिवर्ष 300 से अधिक कार्यकमो का आयोजन करता है । इसके अतिरिक्त, संस्थान विदेश मंत्रालय और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित अनेक अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यकमो का आयोजन भी करता है । अफ्रीकी

ऐशियाई और लेटिन-अमेरिकन देशो से आये प्रतिभागी प्रतिवर्ष एन आई आर डी से प्रशिक्षण प्राप्त करते है । प्रतिवर्ष लगभग 800 प्रशिक्षणाथी संस्थान के प्रशिक्षण कार्यकम में सहभाग करते है ।

अनुसंधान और कार्य अनुसंधान

संस्थान स्थापित विषय जैसे ग्रामीण परिवर्तन सामाजार्थिक एवं मानव विकास, विकेन्दीकरण, कार्यकम योजना, प्रबंध, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, ग्रामीण विकास योजनाओ के प्रभाव का मूल्यांकन हेतु (ग्रामीण प्रौद्योगिकी अैर पर्यावरणीय) नीति हस्तक्षेप हेतु नये क्षेत्रो की शिनाख्त और ग्रामीण विकास कार्यकर्ताओ के अनुसंधान एवं प्रशिक्षण आवश्यकता का विश्लेषण जैसे विषयो पर अनुभवाश्रित अध्ययन करता है । स्थान विशिष्ट प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र संस्थान के कार्य अनुसंधान कार्यकम है । विकास मॉडल / विषय उचित प्रयोग के विषय है ।

परामशी सेवाएं

मंत्रालयो / भारत सरकार विभागो , राष्ट्रस्तरीय संस्थानो , राज्य सरकारो, सरकारी उपकमो एवं यू एन डी पी, एफ ए ओ , यूनीसेफ, युनेस्को, डब्ल्यू एच ओ आई एल ओ विश्व बैक एस्केप, सिर्डाप तथा ऑरो जैसे अंतर्राष्ट्रीय प्रिमियर संगठनो पर संस्थान द्वारा परामशी कार्य प्रारंभ किया गया है ।

सूचना का प्रसार प्रचार

संस्थान अपने अनेक प्रकाशनो के माध्यम से उसके विभिन्न सेमिनार और कार्यशालाओ की सिफारिशो तथा अनुसंधान अध्यनो के प्रतिफल का प्रचाार -प्रसार करता है । इसके अंतर्गत संस्थान जर्नल ऑफ रुरल डेवलपमेट नामक त्रैमासिक पत्रिका जो अपने गुणवत्ता के लिए प्रशिद्ध है और हिन्दी तथा अंग्रेजी मे द्वि-मासिक एन आई आर डी न्यूज लेटर निकालता है । वर्तमान मे अपने 300 से अधिक प्रकाशनो के साथ रा ग्रा वि संस्थान भारत मे ग्रामीण विकास साहित्य का अंग्रेजी प्रकाशक है । संस्थान की भारत ग्रामीण विकास रिपोर्ट पंचायती राज रिपोर्ट एवं ग्रामीण विकास सांख्यिकी नामक प्रकाशनो ने शिक्षविदो और नीति निर्माताओ का ध्यान आकर्षित किया है ।

कम्प्यूटर केन्द

संस्थान मे आंतरिक एवं कक्षा प्रशिक्षण, प्रबंध, सूचना प्रणाली(एम आई एस) , पुस्तकालय प्रलेखन तथा आंकडो के प्रोसेसिंग करने हेतु एक सुसज्जित कम्प्यूटर केन्द है । संस्थान के कम्प्यूटर लैन मे आधुनिक पी सी उपलब्ध है । अन्य सुविधओ मे इंटरनेट एवं लोकल एरिया नेटवर्क (लैन) कनेक्शन उपलब्ध है जो संस्थान के समस्त विभागो एवं केन्दो को जोडता है ।

ग्रामीण शिल्पविज्ञान पार्क

62 एकड से अधिक जमीन पर फैली हुई ग्रामीण शिल्प विज्ञान पार्क (आर टी पी) बनाने का मुख्य लक्ष्य वर्तमान ग्रामीण तकनॉलोजी पर जानकारी का विस्तार करना और सतत ग्रामीण विकास को बढावा देना है । आर टी पी ग्रामीण तकलॉलोजी की प्रदर्शन करता है और कौशल विकास एवं उद्यमशीलता के संबंध मे क्षमता निर्माण हेतु जानकारी प्रदान करता है । सतत जीविका के लिए तकलॉलोजी अंतरण प्रकिया एवं कियाकलाप किए गए ।

ग्रामीण क्षेत्रो के लिए आर टी पी ने कुछ कम खर्चीली एवं लागत प्रभावी तकनॉलोजी के उत्पादन सह प्रशिक्षण इकाईयो का स्थापना किया है और कौशल उन्मुख प्रशिक्षण भी प्रदान करती है । सौर उर्जा इकाई अशिक्षित महिलाओं द्वारा संचालित है जो ग्रामीण क्षेत्रो मे सौर विद्युतीकरण परियोजनाओ के नंगपैरा सौर अभियंता एवं निरंतर कार्यपालक बनी हुई है । आर टी पी मे निर्मित राष्ट्रीय ग्रामीण भवन केन्द एवं स्वच्छता भाग ग्रामीण भारत के लिए उपयुक्त चालीस विभिन्न तकनॉलोजी सहित निर्मित ग्रामीण मकानो का नमूना प्रदर्शित करती है ।

प्रलेखन

संस्थान का ग्रामीण प्रलेखन एवं मीडिया केन्द ग्रामीण विकास क्षेत्र के लिए संदर्भ और सहायक एजेन्सी के रुप मे कार्य कर रहा है । केन्द मे एक सुसंगठित पुस्तकालय है जिसमे एक लाख से अधिक पुस्तको का संग्रहण है तथा 200 से भी अधिक पत्रिकाऐं मंगायी जाती है । त्वरित पुन: प्राप्ति हेतु दो लाख से ाधिक पुस्तको के कुल डेटा बेस को कम्प्यूटरीकृत कर दिया गया है । यह केन्द संस्थान के वेबसाईट को चालू रखता है और वेब आधारित आई सी टी पोटल का संचालन करता है ।

भू-संसूचना केन्द

ग्रामीण विकास मे भू-संसूचना अनुप्रयोग केन्द (सी -जी ए आर डी) ग्रामीण क्षेत्रो मे जी आई एस, जी पी एस एवं उपग्रह दूर संवेदी प्रयोगो के आवश्यकता की प्रबंधन करता है ा यह केन्द प्राकृतिक संसाधन प्रबंध एवं योजना उन्मुख परियोजनाओ के लिए रुढिगत रुप से अभिकल्पित समाधान प्रदान करती है ।

4 अगस्त, 2008 ग्रामीण विकास स्नातकोत्तर डिप्लोमा का शुभारंभ किया गया